हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनकों अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

प्रदेश में अगले दो हफ्तों में मानसून .. 8

वर्ष : 14 अंक : 272 | देहरादून, गुरूवार 29 मई 2025 | शुल्क : पचास पैंसे | पृष्ठ संख्या : 08

उत्तराखण्ड कैबिनेट ने दी योग नीति को मंजूरी

प्रदेश में पांच क्षेत्र को योग हब के रूप में किया जाएगा विकसित

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई। कैबिनेट की इस बैठक में 11 प्रस्तावों पर मुहर लगी है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण योग नीति को मंजूरी मिलना है। बता दें कि, ये देश की पहली योग नीति है। इस योग नीति के जरिए प्रदेश के पांच क्षेत्र को योग हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इसी के साथ राज्य सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को 75 करोड़ रुपए लोन देना का निर्णय भी लिया। प्रिक्योरमेंट नियमावली में भी संशोधन किया गया है। राज्य में 10 करोड़ रुपए रुपए तक के विभागीय कार्यों को स्थानीय ठेकेदारों के माध्यम से कराया जाएगा। हर श्रेणी में बढ़ाई गई स्थानीय ठेकेदारों के काम करने की सीमा। स्थानीय लोगों और स्थानीय उत्पादों पर विशेष जोर दिया गया है।

बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में उत्तराखंड मेगा एवं इंडस्ट्रियल नीति 2025 को मिली मंजूरी। अगले पांच सालों के लिए नई नीति बनाई गई है जिसमें उद्योगों को चार श्रेणियों में बांटा गया है। उद्योग लगाने के लिहाज से प्रदेश को चार कैटेगरी में बांटा गया है। जो आगामी 5 वर्षों तक प्रभावी रहेगी। उद्योगों को चार श्रेणियों में बांटा गया है। जिसमें लार्ज, अल्ट्रा लार्ज, मेगा और अल्ट्रा मेगा। 50 से 1000 करोड़ रुपये से ऊपर के निवेश पर स्थायी रोजगार और सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

उत्तराखंड विष कब्जा और विक्रय

– शेष पृष्ठ 7 पर ...

मुख्यमंत्री ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, खुद भी दौड़े

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को पवेलियन ग्राउण्ड, देहरादून में अहिल्या स्मृति मैराथन एक विरासत-एक संकल्प कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने स्वयं भी युवाओं के साथ मैराथन में दौड़कर सबका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में जागरूकता और एकता लाने के साथ स्वस्थ समाज का भी निर्माण करते हैं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार, मेयर सौरभ थपलियाल, महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, विधायक भरत चौधरी, दायित्वधारी अनिल डब्बू, श्याम अग्रवाल, हेम बजरंगी, भाजपा युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष देवेंद्र सिंह बिष्ट एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

दो कुलपतियों ने राज्यपाल से की मुलाकात

इंडिया वार्ता ब्यूरो

नैनीताल । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से बुधवार को राजभवन में कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत और सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,अल्मोड़ा के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों कुलपतियों ने विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान कार्यों आदि की जानकारी दी।

राज्यपाल ने उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल देते हुए विश्वविद्यालयों को नवाचार, कौशल विकास तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप शोध और अनुसंधान करने की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल ने कुलपतियों से ''वन यूनिवर्सिटी-वन रिसर्च'' के अंतर्गत शोध कार्यक्रम की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली।

ललित चंद्र जोशी तीसरी बार बने सचिवालय एथलेटिक्स एंड फिटनेस क्लब के अध्यक्ष

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। सचिवालय एथलेटिक्स एंड फिटनेस क्लब के संपन्न हुए चुनाव में ललित चन्द्र जोशी अध्यक्ष, राजेंद्र प्रसाद जोशी महासचिव एवं दिनेश घींगा को कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया। सचिवालय एसथेटिक्स एंड फिटनेस क्लब के इस द्विवार्षिक चुनाव के लिए 26 मई को नामांकन 27 मई को नाम वापसी और 28 मई को चुनाव संपन्न कराया गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में राकेश जोशी, महासचिव सचिवालय संघ के द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में यह निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई गई और निर्वाचित पदाधिकारी को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। निर्वाचित कार्यकारिणी द्वारा शीघ्र ही प्रबंध कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यों को नामित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य सुरक्षा अधिकारी जीवन सिंह बिष्ट, से0 नि0 अपर सचिव सुनील कुमार पांथरी, रीता कौल, रीना शाही, प्रमिला टम्टा, गोदावरी रावत, निधि, दीपा बोहरा, मीनाक्षी गुणवंत, डॉक्टर अशोक कुमार मिश्र, भुवन चंद्र जोशी, महेश धर्मशक्तू, मगन चन्द सिंह राणा, तेज सिंह, रणजीत सिंह रावत, माधव नौटियाल, जगत डसीला, प्रवीण चंद्र सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बनबसा में सैनिक स्मारक बनाये जाने के लिए की 1.43 करोड़ धनराशि स्वीकृत

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा क्षेत्र चम्पावत के अन्तर्गत टनकपुर में सैनिक स्मारक निर्माण किये जाने की पूर्व में की गई घोषणा को संशोधित करते हुए विधानसभा क्षेत्र चम्पावत के अन्तर्गत बनबसा में सैनिक स्मारक के निर्माण किये जाने हेतु 1.43 करोड़ की धनराशि का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

सम्पादकीय

सोशल मंच

इंटरनेट के प्रचार के साथ आम अभिव्यक्ति के रास्ते सोशल वेब स्थानों के माध्यम से खुले तथा इंटरनेटधारी अधिक से अधिक इन साईटों का प्रयोग कर रहे हैं। इन अभिव्यक्तियों के माध्यमों ने संसार की राजनीति में उथल-पुथल मचा दी है। आम आदमी को अपनी बात कहने का माध्यम मिल गया जो कि सकारात्मक पहलू है। सकारात्मक पहलू के साथ इंटरनेट के दुष्परिणाम भी सामने आने लगे हैं, जिससे सामाजिक ताना-बाना बिखरने के कगार पर दिखाई दे रहा है। पुरुषों के साथ स्त्रियों ने भी इंटरनेट पर अपनी सजग उपस्थिति दर्शाई। अनजान लोगों से इंटरनेटिया मित्रता होने लगी। विचारों के आदान प्रदान के साथ विपरित लिंगी आकर्षण भी बढा और सोशल नेटवर्किंग साईटों के चैट रुम से निकल कर पी वी आर, पार्कों एवं नई संस्कृति के बाजारों में गुलजार होने लगी हैं जो आगे चल कर अंतरंग संबंधों में भी बदल रही हैं। वर्जनाएं टूटने से वैवाहिक संबंधों पर असर पड़ने लगा है और परिवार टूटने लगे हैं। सोशल वेबसाईटों के सबूतों के आधार पर तलाक बढ रहे हैं क्योंकि इलेक्ट्रानिक सबूत स्थाई होते हैं तथा उन्हे नष्ट नहीं किया जा सकता। शासकीय एवं निजी नौकरियों पर भी इंटरनेट के खतरे मंडरा रहे हैं,सोशल वेबसाईटों पर की गई टिप्पणियों के आधार पर कईयों को अपनी नौकरियों से हाथ धोना पड़ा है। इंटरनेट का जन्म हुए लगभग 48 वर्ष हो चुके हैं, इंटरनेट ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य करते हुए विश्व को एक मंच पर लाकर खड़ा कर दिया। सारे विश्व ने एक ग्राम का रुप ले लिया। पलक झपकते ही सूचनाओं का आदान-प्रदान होने के साथ विश्व व्यापी प्रसार एवं प्रचार भी हो जाता है।

भारतीय राजनीति के असली चौधरी थे भारत रत्न चौ चरणसिंह

29 मई पुण्यतिथि पर विशेष

आर पी तोमर

भारत रत्न चौधरी चरण सिंह एक ऐसा नाम है जो भारतीय राजनीति और इसके लोकतंत्र के लिए किसी हीरो से कम नहीं। ये वो नाम है जो ना जाने कितने ही बड़े संवैधानिक पदों पर रहकर ये दिखा गया कि कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति के जीवन में कैसै बदलाव लाया जा सकता है। चौधरी चरण सिंह ने देश की कृषि नीतियों को आकार देने में बेहद अहम भूमिका निभाई। चौधरी चरण सिंह ने अपना पूरा जीवन किसानों के हित और उनके कल्याण में समर्पित कर दिया, और यही वजह है कि उन्हें "किसानों का मसीहा" कहा जाता है। चौधरी चरण सिंह सिर्फ़ एक राजनीतिज्ञ, एक किसान नेता, एक पार्टी के अध्यक्ष और एक भूतपूर्व प्रधानमंत्री का नाम ही नहीं था बल्कि चरण सिंह एक विचारधारा का भी नाम है। जो भारतीय राजनीति में अकाट्य है और सदैव रहेगा। चरण सिंह की राजनीति में कोई दुराव या कोई कपट नहीं था, बल्कि जो उन्हें अच्छा लगता था, उसे वो ताल ठोक कर अच्छा कहते थे और जो उन्हें बुरा लगता था, उसे कहने में उन्होंने कोई गुरेज़ भी नहीं करते थे। उनका व्यक्तित्व बहुत रौबीला था, जिनके सामने लोगों की बोलने की हिम्मत नहीं पड़ती थी। उनके चेहरे पर हमेशा पुख़्तगी होती थी। हमेशा संजीदा गुफ़्तगू करते थे। बहुत कम मुस्कुराते थे। अगर मैं गलत नहीं हूं तो एकआध लोगों ने ही उन्हें कभी कहकहा लगाते हुए देखा होगा। वो उसूलों के पाबंद थे और बहुत साफ़-सुथरी राजनीति करते थे। वे सच्चे मायने में भारत रत्न हैं।

किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह का जन्म उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर गांव में 23 दिसंबर 1902 को हुआ था। उनकी शिक्षा सरकारी उच्च विद्यालय और विश्वविद्यालय मेरठ से पूरी हुई। उन्होंने विज्ञान स्नातक, कला स्नातकोत्तर और विधि स्नातक की पढ़ाई की थी। चौधरी चरण सिंह ने पूरे जीवनभर किसानों के मुद्दे उठाए और उनके हक दिलाने का काम किया। चौधरी चरण सिंह का निधन 29 मई 1987 को 84 साल की उम्र में दिल्ली में हुआ था। जब 1929 में लाहौर में कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज्य का एलान किया तो नेहरू कांग्रेस के सबसे बड़े नेता के रूप में उभरे, तब चौधरी चरण सिंह ने गाजियाबाद में कांग्रेस कमेटी का गठन किया। 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू हुआ तो चौधरी चरण सिंह हिंडन नदी के किनारे नमक बनाने पहुंच गए तो अंग्रेज सरकार ने उन्हें छह महीने की जेल की सजा दी। जेल से वापसी पर वे पूरे जोर-शोर से स्वतंत्रता आंदोलन में कूद गए। 1937 में चुनाव हुए तो बागपत से चौधरी चरण सिंह विधानसभा के लिए चुने गए। विधानसभा में किसानों की फसल से संबंधित एक बिल पेश किया। ये उस वक्त का क्रांतिकारी बिल था, जब ब्रिटिश सरकार ने भारतीय किसानों को ही सबसे ज्यादा चोट पहुंचाई थी। अंग्रेजी सरकार ने मुगलिया टैक्स सिस्टम को हटाकर बेहद क्रूर सिस्टम लागू किया था। जिसकी वजह से बहुत गरीबी फैल गई थी। उन्होंने 1939 में कर्जा माफी विधेयक पास करवाकर किसानों के खेतों की नीलामी रुकवाई। 1939 में ही किसान के बच्चों को सरकारी नौकरियों में 50 फीसदी आरक्षण दिलाने की कोशिश की पर इसमें सफलता नहीं मिल पाई। 1939 में किसानों को टैक्स बढ़ाने और बेदखली से मुक्ति दिलाने के लिए जमीन उपयोग का बिल तैयार किया और ऋण निर्मोचन विधेयक पास कराकर चौधरी साहब ने लाखों गरीब किसानों को कर्जे से मुक्ति दिलाई। इसी साल निजी सदस्यों के संकल्प के तहत उन्होंने कृषि उत्पादन मंडी विधेयक पेश किया, जिसमें किसानों को बिचौलियों से मुक्त कराकर वाजिब दाम दिलाने का प्रावधान था।उनके सुझावों को कई सरकारों ने क्रियान्वित किया, इसमें पहला राज्य पंजाब था। ब्रिटिश भारत के पंजाब प्रांत की विधानसभा ने सर छोटू राम के राजस्व मंत्री रहते हुए वर्ष 1938 में जो पहला %कृषि उत्पाद मंडी अधिनियम% पारित कर उसे लागू किया था। दरअसल, उसकी परिकल्पना चौधरी चरण सिंह की ही थी। चौधरी चरण सिंह जब पहली बार चुनाव जीतने के बाद उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत के संसदीय सचिव बने थे, तब चौधरी साहब कृषि उत्पाद मंडी बनाने के लिए एक बिल लेकर आना चाहते थे लेकिन, पंत ने उन्हें मना कर दिया, जिसके बाद चौधरी चरण सिंह ने उत्तर प्रदेश की %यूनाइटेड प्रोविंस लेजिस्लेटिव असेंबली% में एक %प्राइवेट मेंबर बिल% पेश किया, लेकिन वो बिल पारित नहीं हो पाया, ये बात वर्ष 1937 की है। 1940 में कांग्रेस बड़ी उहापोह में थी कि ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आंदोलन छेड़ें कि नहीं, छोटे स्तर पर व्यक्तिगत सत्याग्रह की शुरूआत हुई, चौधरी चरण सिंह इसमें भी शामिल हुए। जेल गए, फिर छूटे और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में चरण सिंह को फिर मौका मिला। वे अंडरग्राउंड हो गए और एक गुप्त क्रांतिकारी संगठन तैयार किया। पुलिस का आदेश था कि देखते ही गोली मार दी जाए पर चौधरी चरण सिंह सभा करके हर जगह से निकल जाते थे। अंत में गिरफ्तार हो गए। जिन्हें डेढ़ साल की सजा हुई, जेल में ही उन्होंने "शिष्टाचार" किताब लिखी।

वे जातिवाद के कट्टर विरोधी थे और उनके प्रयासों का असर था कि 1948 में उत्तर प्रदेश में राजस्व विभाग ने सरकारी कागजों में जोत मालिकों की जाति नहीं लिखने का फैसला लिया। उन्होंने गोविंद बल्लभ पंत को पत्र लिखकर 1948 में मांग की थी कि अगर शैक्षिक संस्थाओं के नाम से जातिसूचक शब्द नहीं हटाए जाते तो उनका अनुदान बंद कर दिया जाए। हालांकि यह मसला टलता रहा लेकिन जब वे 1967 में खुद मुख्यमंत्री बने तो सरकारी अनुदान लेने वाली शिक्षा और सामाजिक संस्थाओं को अपने नामों के आगे से जातिसूचक शब्द हटाने पड़े। उन्होंने ही आजादी के बाद भारत में सोवियत रूस की तर्ज पर आर्थिक नीतियां लगाई गईं। चौधरी साहब का कहना था कि इंडिया में ये चलेगा नहीं, इसको लेकर चौधरी साहब कहते थे कि किसानों को जमीन का मालिकाना हक देने से ही बात बनेगी। उस वक्त नेहरू का विरोध करना ही बड़ी बात थी लेकिन चौधरी साहब सहकारी खेती के रूसी मॉडल के सख्त खिलाफ थे। हालाकि इससे उनके राजनैतिक करियर पर असर पड़ा फिर भी चौधरी साहब ने अपनी बात कहनी शुरू कर दी थी। चौधरी चरण सिंह 1952, 1962 और 1967 की विधानसभा में जीते थे। गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में पार्लियामेंट्री सेक्रेटरी रहे। रेवेन्यू, लॉ, इनफॉर्मेशन, हेल्थ कई मिनिस्ट्री में भी रहे, संपूर्णानंद और चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में भी मंत्री रहे। 1967 में चरण सिंह ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर भारतीय क्रांति दल नाम से अपनी पार्टी बना ली। राम मनोहर लोहिया का इनके ऊपर हाथ था। उत्तर प्रदेश में पहली बार कांग्रेस हारी और चौधरी चरण सिंह मुख्यमंत्री बने। चौधरी चरण सिंह 1967 और 1970 में मुख्यमंत्री बने। चौधरी चरण सिंह ने अपने मुख्यमंत्री काल में एक बड़ा निर्णय लेते हुए खाद पर से सेल्स टैक्स हटा लिया। सीलिंग से मिली जमीन किसानों में बांटने की कोशिश की पर उत्तर प्रदेश में ये सफल नहीं हो पाया। इसके बाद इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनी तब देश में माहौल गड़बड़ हो गया था, 1975 में इंदिरा ने विवादास्पद निर्णय लिया और इमर्जेंसी लगा दी। चौधरी चरण सिंह भी जेल में डाल दिए गए। जेल में विरोधी पक्ष लामबंद हो गया और 1977 में लोकसभा के चुनाव हुए। इंदिरा बुरी तरह हारीं और देश में पहली बार गैर-कांग्रेसी पार्टियों ने मिलकर सरकार बनाई। मोरार जी देसाई प्रधानमंत्री बने, चौधरी चरण सिंह इस सरकार में उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री रहे। वित्तमंत्री भी बने।जनता पार्टी को बनाने में उनका ही आधार और किसान शक्ति सबसे अधिक काम आई। जनता पार्टी के नेताओं, जिसमें आज की भाजपा और तबका जनसंघ भी शामिल था। उसने चौधरी चरण सिंह की पार्टी के चुनाव चिह्न पर ही लोकसभा चुनाव लड़ा था। लेकिन बड़े आधार के बावजूद चौधरी साहब की जगह मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें
संपादक
दैनिक इंडिया वार्ता
प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग
हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)
मोबाईल न.- 7500581414,9359555222
Email: indiawarta@gmail.com

मा0 सीएम की प्रेरणा से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध

डीएम के निर्देश, पर्याप्त संख्या में मैन, मशीनरी के साथ ग्रीन बिल्डिंग निर्माण में लाएं तेजी

चौक चौराहें को पारंपरिक शैली में डीएम कर रहे निर्मित, विकसित, विस्तारित

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। स्मार्ट सिटी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी/जिलाधिकारी सविन बंसल ने स्मार्ट सिटी के अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यो को लेकर समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को सख्त निर्देश दिए कि स्मार्ट सिटी के सभी प्रोजेक्ट गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूर्ण किए जाए।

मा0 सीएम की परिकल्पना से डीएम सविन शहर में यातायात प्रबंधन के साथ; नई स्लिप रोड, रांउड अबाउट व फ्लाईओवर के साथ ही चौक चौराहें को पारंपरिक शैली में निर्मित, विकसित, विस्तारित कर रहे हैं। यातायात प्रबंधन के लिए 11 चौक चौराहों पर ट्रैफिक लाइट लगाने का काम युद्धस्तर पर गतिमान है। डीएम के निश्चय अनुरूप 05 वर्ष में प्रथम बार, प्रमुख चौराहों पर लगे पुलिस के 100 सीसीटीवी कैमरों को जनसुरक्षा के दृष्टिगत स्मार्ट कंट्रोल रूम से इंटीग्रेट कर दिए गए हैं। वहीं स्मार्ट सिटी अंतर्गत 66 बस स्टॉप पर लगी 66ग5 हाईटेक डिजीटल डिवाइस सक्रिय किया गया हैं डीएम ने एचपी के अधिकारियों को चेतावनी दी कि यदि एक भी डिवाईस डाउन हुआ तो कार्यों का भुगतान नही किया जाएगा।

देहरादून में बन रही उत्तराखंड की पहली इंटीग्रेटेड ग्रीन बिल्डिंग निर्माण कार्यो की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि ग्रीन बिल्डिंग एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। कार्यदायी संस्था जनमानस की अपेक्षाओं के अनुरूप तय समय में इसका निर्माण पूर्ण करना सुनिश्चित करें। डीएम ने कार्यदायी संस्था को साइट पर पर्याप्त संख्या में मैन, मशीनरी और मटेरियल के साथ निर्माण कार्यों में तेजी लाने और कंक्रीट प्लांट की परमिशन के लिए तत्काल सभी औपचारिकताएं पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि स्थानीय लोक संस्कृति एवं पारंपरिक शैली में निर्माणाधीन दिलाराम चौक, कुठाल गेट, घंटाघर, साईं मंदिर चौक चौराहों पर मानसून से पहले सिविल वर्क पूरे किए जाए। शहर में यातायात प्रबंधन के लिए महाराणा प्रताप, आईटी पार्क, नालापानी, मोथरोवाला, ट्रांसपोर्ट नगर तिराहा, प्रेम नगर, सुद्धौवाला, धूलकोट तिराहा, रांगडवाला तिराहा, सेलाकुई बाजार तिराहा एवं डाक पत्थर सहित सभी 11 चौक चौराहों पर ट्रैफिक लाइट लगाने का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करें। जिलाधिकारी ने आईएसबीटी में ड्रेनेज सिस्टम के तहत आरसीसी पाइप इंस्टॉलेशन, चौंबर निर्माण कार्यों को 05 जून तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। आईएसबीटी में चन्द्रबनी साइट वाले ड्रेनेज क्लीनिंग के लिए जिलाधिकारी ने नगर निगम को तत्काल स्थलीय निरीक्षण करने और मानसून से पहले ड्रेनेज की सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रिंस चौक पर अवशेष सीवर मेनहोल निर्माण एवं कनेक्टिविटी ना होने के कारण ओवरफ्लो की स्थिति के निस्तारण हेतु विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए समस्या के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्मार्ट सिटी लि0 के अन्तर्गत संचालित समस्त कैमरों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा भी की। डीएम के निश्चय अनुरूप 05 वर्ष में प्रथम बार, प्रमुख चौराहों पर लगे पुलिस के 150 सीसीटीवी कैमरे स्मार्ट कंट्रोल रूम से इंटीग्रेट किए जा चुके है। जिलाधिकारी ने कहा कि दून इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर से जुड़े लाइव कैमरा केबल एवं बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने वाले जिम्मेदार विभाग को चिन्हित किया जाए। बोर्ड बैठक में इसको रखें। ताकि जिम्मेदार विभाग से नुकसान की भरपाई की जाए। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को सख्त लहजे में हिदायत दी कि निर्माण कार्यो की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। कार्यदायी संस्था ने जो कार्य पूर्ण कर लिए है, उनका सर्टिफिकेट भी दें कि निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य पूर्ण किए गए है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, एसीईओ तीर्थ पाल सिंह, फाइनेंस एवं वित्त नियंत्रक मनोज कुमार पांडेय, एजीएम कृष्ण पल्लव चमोला, एजीएम फाइनेंस संध्या बिजलवाण, एजीएम आईटी मनवीर जोशी, पीआईयू प्रवीण कुश, ईई सीपीडब्लूडी संजय डंडरियाल, एई डीएससीएल आशीष मिश्रा, बीएसएनएल राजीव कुमार आदि उपस्थित थे।

देहरादून में FDA की बड़ी कार्रवाई, 500 किलो मिलावटी पनीर जब्त

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में बुधवार को खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FDA) द्वारा एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया, जिसमें 500 किलो मिलावटी पनीर जब्त किया गया। यह पनीर न केवल खाद्य सुरक्षा मानकों के खिलाफ था, बल्कि आम लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी बेहद खतरनाक साबित हो सकता था।

सूचना के आधार पर जिला FDA अधिकारी मनीष सयाना और रमेश सिंह ने स्थानीय पुलिस चौकी इंचार्ज निरंजनपुर मंडी, देहरादून श्री प्रमोद भंडारी की टीम के साथभंडारी बाग क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला रही थी, तभी उन्हें एक सफेद हुंडई इयोन कार वैन संदिग्ध हालत में दिखाई दी। कर को रोका गया और उसकी तलाशी ली गई।तलाशी के दौरान कार के डिग्गी तथा सीट मै से बिना किसी ठंडा रखने की व्यवस्था के लगभग 500 किलो पनीर बरामद किया गया, जिसे बेहद अस्वच्छ प्लास्टिक की बोरियों से ढककर और खुले में ढोया जा रहा था। मौके पर पनीर की भौतिक जांच की गई और प्रारंभिक दृष्टया यह मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाया गया।

वाहन मै पनीर स्वामी मोहम्मद इरशाद पुत्र खलील अहमद नामक व्यक्ति मौजूद था, जो कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका — न निर्माण स्थल का प्रमाण, न ही वितरण का रजिस्ट्रेशन अथवा ब्रांडिंग संबंधी जानकारी।

FDA अधिकारियों के अनुसार, पनीर जैसे दुग्ध उत्पादों को उचित तापमान (2°C से 8°C) में संग्रहित और परिवहन किया जाना अत्यंत आवश्यक होता है। यदि ऐसा न किया जाए तो यह उत्पाद जल्दी खराब हो सकते हैं और उसमें हानिकारक बैक्टीरिया उत्पन्न हो सकते हैं, जो फूड पॉयजनिंग, डायरिया, टायफॉइड, और हड्डियों की कमजोरी जैसी बीमारियों का कारण बन सकते हैं। पनीर के सैंपल मौके पर लेकर परीक्षण के लिए राज्य खाद्य विश्लेषण प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं, बाकी लगभग 500 द्मद्द पनीर को ट्रेंचिंग ग्राउंड कारगी चौक में नष्ट किया। रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

FDA आयुक्त डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा होगी कड़ी कार्रवाई

FDA आयुक्त डॉ आर राजेश कुमार ने कहा मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ हमारी नीति स्पष्ट और कठोर है। ऐसी सामग्री उपभोक्ताओं की जान से खिलवाड़ है। हम प्रदेश भर में नियमित अभियान चला रहे हैं और यह बरामदगी हमारे उसी प्रयास का हिस्सा है। विभाग 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम कर रहा है। यह कार्रवाई न केवल एक बड़ी खेप को बाजार में पहुँचने से रोकने में सफल रही, बल्कि यह भी दर्शाती है कि राज्य प्रशासन अब खाद्य सुरक्षा को लेकर अत्यधिक संवेदनशील और सख्त हो चुका है। गर्मी के मौसम में जब खाद्य पदार्थ जल्दी खराब होते हैं, ऐसे में मिलावटखोरी और लापरवाही से स्वास्थ्य पर जोखिम और अधिक बढ़ जाता है।

FDA के अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी का बयान

स्न्रष्ठ के अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी ने कहा ञ्जयह बरामदगी इस बात का प्रमाण है कि कुछ लोग अभी भी गैरकानूनी तरीके से बाजार में नकली और घटिया खाद्य उत्पाद खपाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन विभाग सतर्क है और ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। देहरादून सहित समूचे राज्य में खाद्य सुरक्षा पर निगरानी और तेज़ की जा रही है।

FDA ने की जनभागीदारी की अपील

विभाग ने आमजन से यह भी अपील की है कि यदि उन्हें किसी दुकान, ढाबे, होटल, डेयरी या अन्य खाद्य इकाई में संदिग्ध गतिविधि नज़र आती है, तो वे तत्काल स्न्रष्ठ की हेल्पलाइन या नजदीकी खाद्य सुरक्षा अधिकारी को इसकी सूचना दें। किसी भी शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

ठेकेदार सहित सिंचाई विभाग के तीन अभियंताओं पर खनन चोरी का मामला दर्ज

-अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में सुरक्षा दीवार निर्माण का मामला

हल्द्वानी, , इंडिया वार्ता ब्यूरो। नैनीताल के हल्द्वानी गौलापार स्थित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की सुरक्षा दीवार के निर्माण में गौला नदी से अवैध तरीके से रेता-बजरी के उपयोग करने का आरोप है। इस आरोप में ठेकेदार समेत सिंचाई विभाग के तीन अपर सहायक अभियंताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। ये मुकदमा तराई पूर्वी वन प्रभाग के गौला रेंज में वन अधिनियम की धारा 26 के तहत दर्ज किया गया है। इतना ही नहीं, मामला गंभीर होने के कारण जिला प्रशासन ने थर्ड पार्टी से जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, पिछले साल बरसात में गौला नदी के उफान पर आने से स्टेडियम की सुरक्षा दीवार को नुकसान पहुंचा था। इसके बचाव के लिए सिंचाई विभाग 36 करोड़ की लागत से दीवार बना रहा है। फरवरी 2025 में इसका काम शुरू किया गया था। आरोप है कि यहां निर्माण के दौरान नदी से ही ठेकेदार अपने वाहनों से माल उठा रहा था। स्टेडियम की सुरक्षा के लिए 460 मीटर लंबी और 9 मीटर ऊंची सुरक्षा दीवार बनाई जानी है। टेंडर के बाद ठेकेदार को निर्माण सामग्री (रेता, बजरी, पत्थर) वन निगम या स्टोन क्रशर से खरीदकर खनन गेट के माध्यम से लाने का निर्देश दिए थे। आरोप है कि ठेकेदार ने नियमों का उल्लंघन करते हुए गौला नदी से अवैध रूप से सामग्री निकालकर दीवार का निर्माण किया।

तराई पूर्वी वन प्रभाग ने छापेमारी के दौरान अवैध रेता-बजरी के ढेर पाए। विभाग ने जब खनन सामग्री के कागजात मांगें तो मौके पर मौजूद कार्यदायी संस्था और ठेकेदार के कर्मचारी कागज नहीं दिखा पाए। प्रथम दृष्टया ये पाया गया कि खनन सामग्री गौला नदी से निकाली गई है। इस पूरे मामले में सिंचाई विभाग की भी लापरवाही पाई गई। जिसके तहत उनके अधिकारियों ने कार्य की निगरानी नहीं की।

पूरे मामले में वन विभाग ने ठेकेदार और सिंचाई विभाग के तीन इंजीनियरों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। तराई पूर्वी वन प्रभाग के गौला रेंज एसडीओ अनिल कुमार जोशी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान पाया गया कि निर्माण कार्य के दौरान नदी से ही अप खनिज निकालकर लगाया गया है। मामले में जिला प्रशासन की टीम ने संयुक्त निरीक्षण करने के बाद जांच के आदेश थर्ड पार्टी को दिया है। जिससे की पूरे मामले मामले की जांच हो सके।

देश में कोरोना की वापसी , अब तक 12 मौतें दर्ज, केस बढ़े, 1083 एक्टिव केस, चिंता बढ़ी

नईदिल्ली,एंजेंसी। कोरोना वायरस एक बार फिर देश में दस्तक दे चुका है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक, देश में एक्टिव केसों की संख्या 1083 हो गई है। बीते कुछ दिनों में कई राज्यों में संक्रमण के नए मामले सामने आए हैं, और अब तक कुल 12 मौतें दर्ज हो चुकी हैं। केरल, कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से संक्रमण के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। कोरोना के मौजूदा मामलों में केरल सबसे आगे है, जहां 430 मरीजों का इलाज चल रहा है। वहीं, कर्नाटक में मंगलवार को 36 नए केस मिले, गुजरात में 17, बिहार में 5 और हरियाणा में 3 नए केस दर्ज हुए। गुजरात से राहत की खबर यह रही कि यहां 13 मरीज रिकवर हो गए।

अब तक अपेक्षाकृत सुरक्षित रहे नॉर्थ-ईस्ट में भी संक्रमण की आहट सुनाई देने लगी है। अरुणाचल प्रदेश में दो महिलाओं की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इनमें से एक को हल्का बुखार और खांसी है, जबकि दूसरी महिला पूरी तरह असिंप्टोमैटिक है। विशेषज्ञ इसे खतरनाक संकेत मान रहे हैं।

फिरोजाबाद (यूपी) में मंगलवार को 78 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई। यह राज्य में कोविड के नए वैरिएंट से हुई पहली मौत है। बुजुर्ग पहले से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नया वैरिएंट बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों के लिए ज़्यादा घातक साबित हो सकता है।

राजस्थान-महाराष्ट्र में भी जानलेवा साबित हो रहा कोरोना

26 मई को जयपुर में दो मरीजों की जान गई। इनमें से एक व्यक्ति रेलवे स्टेशन पर मृत मिला, जिसकी रिपोर्ट बाद में पॉजिटिव आई। दूसरा मरीज 26 साल का युवक था, जो पहले से टीबी से ग्रसित था और एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा रहा था। महाराष्ट्र के ठाणे जिले से भी दो मौतों की खबर है। एक महिला और 21 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान मौत हुई है। कर्नाटक में 84 साल के बुजुर्ग की मल्टी ऑर्गन फेल्योर के चलते जान गई थी, जिसकी रिपोर्ट बाद में पॉजिटिव निकली।

गांधी होना आसान नहीं', निशिकांत दुबे ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति का पत्र शेयर कर कांग्रेस से पूछा सवाल

नई दिल्ली,एंजेंसी। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को एक बार फिर गांधी परिवार पर निशाना साधा। उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के राजीव गांधी को लिखे पत्र को लेकर कांग्रेस से सवाल किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि %गांधी' होना आसान नहीं है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पत्र शेयर करते हुए लिखा, गांधी होना आसान नहीं। यह पत्र अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन का तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी के द्वारा लिखे पत्र के उत्तर में है। 1972 के शिमला समझौते के तहत जब यह तय हो गया कि भारत-पाकिस्तान के बीच किसी विवाद पर बातचीत केवल दोनों देशों के बीच होगी, कोई मध्यस्थ नहीं होगा, तो भारतीय तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रीगन से पाकिस्तान से बातचीत के लिए मदद क्यों मांगी?

इससे पहले, उन्होंने 27 मई को अपने एक्स हैंडल पर कुछ पोस्ट शेयर कर कांग्रेस से सवाल किया था। निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा था, आयरन लेडी इंदिरा गांधी अमेरिकी दबाव में 1971 का युद्ध तत्कालीन रक्षा मंत्री जगजीवन राम जी और सेनाध्यक्ष सैम मानेकशॉ के विरोध के बावजूद भारत ने खुद ही रोक दिया। बाबू जगजीवन राम चाहते थे कि कश्मीर का हमारा हिस्सा जो पाकिस्तान ने जबरदस्ती कब्जा कर रखा है, उसको लेकर ही युद्ध बंद हो। लेकिन, आयरन लेडी का डर और चीन का दहशत यह नहीं कर पाया? भारत के लिए फायदा अपनी भूमि तथा करतारपुर गुरुद्वारा लेना था या बांग्लादेश बनाना? पूरी रिपोर्ट पढ़िए आयरन लेडी की राजनीतिक दृष्टि समझिए?

भारत-पाक सीजफायर पर कांग्रेस की ओर से केंद्र सरकार पर सरेंडर करने के आरोप को लेकर भी भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि सरेंडर करने का काम तो कांग्रेस ने 1991 में किया था। अब समय आ गया है कि इस समझौते की जांच की जाए कि किन परिस्थितियों में यह समझौता हुआ।भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि 1991 का समझौता तब हुआ था जब कांग्रेस समर्थित सरकार सत्ता में थी। इसे 1994 में लागू किया गया था जब नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे। उस समझौते में आपने कहा था कि हमारी सेना कहां तैनात होगी, नौसेना कहां तैनात होगी, वायुसेना कैसे कार्रवाई करेगी और ये सब 15 दिन पहले बताना होगा, क्या ये देशद्रोह नहीं है? दूसरा सवाल यह है कि आर्मी कह रही है कि हमने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। विदेशी मीडिया में खबरें प्रकाशित हो रही हैं कि भारत जो कह रहा है, वह सही है।

लखनऊ : बच्ची से दुष्कर्म का आरोपी पुलिस एनकाउंटर में गिरफ्तार

लखनऊ ,एंजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बच्ची से रेप के आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची से दुष्कर्म के बाद पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। मामला लखनऊ के मदेयगंज बंधा रोड का है। जानकारी के अनुसार, आरोपी कमल किशोर उर्फ भदर ने 27 मई की रात करीब 2:00 बजे मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना अंजाम दिया था। इसके बाद मदेयगंज पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 27 मई की रात को मुकदमा दर्ज किया। साथ ही मदेयगंज पुलिस ने मासूम बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

इसके साथ ही एसीपी महानगर नेहा त्रिपाठी के नेतृत्व में मदेयगंज थाना प्रभारी राजेश सिंह की टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान पुलिस को आरोपी के बंधा रोड स्थित रघुवंशी ढाल के पास होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने चेकिंग के दौरान बाइक सवार कमल किशोर को रोकने का इशारा किया, लेकिन वह पुलिस को देख भागने लगा और उसने पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी। पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें कमल किशोर के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने घायल अवस्था में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही आरोपी के पास से एक मोटरसाइकिल, एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। डीसीपी सेंट्रल आशीष श्रीवास्तव ने मीडिया से बातचीत में बताया कि कमल किशोर नाम के एक शख्स को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि 27 मई की रात को एक पांच साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया। इसके बाद आरोपी को पकड़ने के लिए तीन टीमें लगाई गई थी। आज उस आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के पास से मोटरसाइकिल, तमंचा और कारतूस बरामद किया गया है। बता दें कि आरोपी लखनऊ के मदेयगंज बंधा रोड के झोपड़पट्टी में रहता है और वह मूल रूप से सिधौली जिला सीतापुर का रहने वाला है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को घायल अवस्था में इलाज के लिए ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है और मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

ट्रंप प्रशासन का बड़ा फैसला, अब अंतरराष्ट्रीय छात्रों के वीजा इंटरव्यू पर लगाई अस्थायी रोक

न्यूयार्क ,एंजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एफ (स्न), एम (रू) और जे श्रेणी के वीजा इंटरव्यू अस्थायी रूप से रोक दिए हैं। यह कदम सोशल मीडिया गतिविधियों की सख्त जांच के तहत उठाया गया है। विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि जब तक विस्तृत दिशा-निर्देश जारी नहीं हो जाते, तब तक अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावास इन श्रेणियों में वीजा इंटरव्यू के लिए नई अपॉइंटमेंट्स नहीं लेंगे।

हालांकि, जिन आवेदकों की इंटरव्यू अपॉइंटमेंट पहले से तय हैं, वे यथावत जारी रहेंगे। यह फैसला ट्रंप प्रशासन की एक्सट्रीम वेटिंग नीति के अंतर्गत लिया गया है, जिसका उद्देश्य वीजा आवेदकों की सोशल मीडिया गतिविधियों की गहराई से जांच करना है। इस जांच में इंस्टाग्राम, एक्स (पूर्व में ट्विटर), टिकटॉक और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर की गई पोस्ट, कमेंट, लाइक और शेयर की गई सामग्री की समीक्षा शामिल है।

60 फीट गहरी खाई में गिरी कार , गोगुंदा-पिंडवाड़ा हाईवे पर बड़ा हादसा

उदयपुर ,एंजेंसी। उदयपुर जिले के बेकरिया थाना क्षेत्र में सुबह गोगुंदा-पिंडवाड़ा हाईवे पर एक बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और फिर सड़क के बीच बनी पुलिया से फिसलते हुए करीब 60 फीट गहरी खाई में जा गिरी। कार में सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

तेज रफ्तार और मोड़ ने ली वाहन से नियंत्रण

हादसा अकियावड़ गांव के पास स्थित सुरंग के आगे एक तीखे मोड़ पर हुआ, जहां गुजरात से उदयपुर की ओर आ रही तेज रफ्तार कार अचानक संतुलन खो बैठी। डिवाइडर पर चढ़ने के बाद कार पुलिया को पार करते हुए गहरी खाई में जा गिरी। गिरते ही कार के परखच्चे उड़ गए।

ग्रामीणों ने जोखिम उठाकर बचाई जान

हादसे की आवाज सुनकर आस-पास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर दौड़े। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए लोगों ने बिना देर किए खाई में उतरकर घायलों को कार से बाहर निकाला। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद दोनों युवकों को ऊपर सड़क तक लाया गया। सूचना मिलते ही बेकरिया थाना प्रभारी उत्तम सिंह जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को तुरंत गोगुंदा हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया।

सशक्त महिला सशक्त समाज : कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य

इंडिया वार्ता ब्यूरो

अल्मोड़ा । अंतरराष्ट्रीय महावारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर आज उदय शंकर नाट्य अकादमी में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के मुख्य आतिथ्य में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महिला माहवारी स्वच्छता के विषय में जागरूकता बढ़ाने हेतु विषय विशेषज्ञों ने उपस्थित किशोरियों एवं महिलाओं को विभिन्न जानकारियां दी। किशोरियों से इस विषय को लेकर उनके सवालों का जवाब दिया तथा व्यक्तिगत स्वच्छता के संबंध में विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

कार्यक्रम में पहुंची कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महावारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि महिलाओं और हमारी बालिकाओं को इस प्राकृतिक क्रिया के बारे में विभिन्न जानकारियां हों, वें जागरूक हों तथा इस विषय को लेकर लोगों में व्याप्त भ्रांतियों का उन्मूलन हो। उन्होंने कहा कि अभी भी हमारे समाज में माहवारी जैसी प्राकृतिक क्रिया को लेकर कई भ्रांतियां एवं कुरीतियां व्याप्त है, लोग इस विषय पर खुलकर बात नहीं करते। कहा कि यह विषय बहुत गंभीर तथा संवेदनशील है, इस विषय को लेकर लोगों को अपनी मानसिकता बदलनी होगी। उन्होंने उपस्थित सभी बालिकाओं एवं महिलाओं को कहा कि महावारी के दौरान स्वयं को अपवित्र न समझें बल्कि इस पर आपको गर्व होना चाहिए कि प्रकृति ने इस प्रक्रिया के माध्यम से आपको इस दुनिया का सृजनकर्ता चुना है। यह शर्म का विषय नहीं है और न ही स्वयं को अशुद्ध समझने का विषय है। इस अवधि में सभी को अपनी स्वच्छता के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए तथा स्वयं का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने समाज का आव्हान करते हुए कहा कि हम आधुनिक समय में इस विषय को लेकर अपने मन में घृणा न रखें बल्कि प्रकृति की नियति को स्वीकार करें एवं महिलाओं को सम्मान दें।

उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं को कहा कि अपनी दिनचर्या में व्यायाम को जगह अनिवार्य रूप से दें। योग को अपनाएं तथा अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। इस अवसर पर उन्होंने बालिकाओं को स्वच्छता किट भी प्रदान की तथा व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में महिलाओं को सशक्त करने हेतु लगातार कार्य किए जा रहे हैं। सैनेट्री पैड मात्र एक रुपए में जन औषधि केंद्र एवं आंगनवाड़ी केंद्रों पर उपलब्ध है।

मेयर अजय वर्मा ने भी अपने विचार रखे तथा उपस्थित सभी बालिकाओं एवं महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस विषय को लेकर जागरूकता जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी स्वच्छता है।

जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने भी इस विषय को लेकर अपने विचार रखे तथा महावारी को लेकर विभिन्न पहलुओं पर बात की साथ ही इसके वैज्ञानिक महत्व को बताया।

कार्यक्रम में संस्कृति विभाग के कलाकारों ने लोक संस्कृति की विभिन्न छटाओं से वाहवाही लूटी साथ ही राजकीय बालिका गृह बख की किशोरियों ने स्वागत गीत एवं वंदना से सभी को मोहित किया।

इस कार्यक्रम का संचालन मीता उपाध्याय ने किया।

इस दौरान जिलाध्यक्ष भाजपा महेश नयाल, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आरसी पंत, उपजिलाधिकारी सदर संजय कुमार, महिला एवं बाल विकास निदेशालय से ईडीओ रवि मेलवान, अंकित कोठरी, जिला कार्यक्रम अधिकारी पीताम्बर प्रसाद सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्कूली बालिकाएं तथा महिलाएं उपस्थित थी।

धौलछीना पुलिस ने अवैध शराब के साथ 1 व्यक्ति को किया गिरफ्तार

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। दिनांक 27/05/2025 को थानाध्यक्ष धौलछीना श्री विजय नेगी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान बाड़ेछीना तिराहे से 100 मी0 बाड़ेछीना की तरफ से अभियुक्त हर्ष सिंह उम्र-59 वर्ष पुत्र कल्याण सिंह निवासी डूगंरी बाड़ेछीना, धौलछीना, जनपद अल्मोड़ा को 56 पाउच मल्टा मार्का अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर थाना धौलछीना में आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

धौलछीना पुलिस टीम- 1-अपर उ0नि0 श्री गोकुल प्रसाद 2- कानि0 श्री राजेन्द्र गोस्वामी

एसएसपी अल्मोड़ा के निर्देशन पर नशे के दुष्प्रभावों के सम्बन्ध में ग्रामीण क्षेत्रों में सल्ट पुलिस चला रही है जागरुकता अभियान

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। श्री देवेन्द्र पींचा, एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा विगत दिनों सराईखेत सल्ट का भ्रमण किया गया और थानाध्यक्ष सल्ट को पुलिस टीम गठित कर ग्रामीणजनों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में भली-भाति जागरुक करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये है। जिस क्रम में सीओ रानीखेत श्री विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में आज दिनांक 28.05.2025 को थानाध्यक्ष सल्ट श्री प्रमोद पाठक के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया है जिसके द्वारा ग्राम इकरौला, लखरकोट, बजवाड, सराईखेत आदि में भ्रमण कर लोगों को नशे के विरुद्ध जागरुक किया जा रहा है।

1-ग्रामीण लोगों को नशे के दुष्परिणामों से आगाह किया जा रहा है।

2-नशे की खेती (जैसे- भांग आदि) न करने के लिये अपील की जा रही है और साथ ही हिदायत दी जा रही है नशे की खेती करना अपराध है। ऐसा करने वाले के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही हो सकती है।

3-नशे की बिक्री या तस्करी करने वालो पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की जाती है। जिससे पकड़े जाने वालों/नशा करने वालों के जीवन के साथ- साथ उनके परिजनों के जीवन पर भी कुप्रभाव पड़ता है इसलिये हमेशा नशे का सेवन/बिक्री आदि क्रियाओं से दूर रहना चाहिए।

4-ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि नशे की खेती/बिक्री/तस्करी करने वालों की सूचना तत्काल पुलिस को दें। आपकी पहचान गोपनीय रखी जायेगी।

5-ग्रामीणों ने पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान को सराहा और लोगों को जागरुक करने में सहयोग करने की सहमति जताई गयी। इसके अतिरिक्त साइबर अपराध, महिला एवं बाल अपराध, नवीन कानून, मानव तस्करी व विभिन्न हेल्प लाइन नम्बरों के सम्बन्ध में जानकारी देकर जागरुक किया गया।

तू झूम, ये तूने क्या किया....'' सूफी गीत 30 मई को होगा लॉन्च

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। भजन गायिकी में अपनी अटूट पहचान कायम कर चुके उत्तराखंड के 26 वर्षीय युवा गायक अमन कांबोज सूफी गायिकी की दुनिया में भी एक नई पारी की शुरूआत करने जा रहे हैं। रिवरस्टोन कोटेज देहरादून में 30 मई को संगीत प्रेमियों के साथ अमन अपनी मधुर आवाज में ''तू झूम, ये तूने क्या किया....'' सूफी गीत की प्रस्तुति देकर एक नए सफर का आगाज करेंगे। गीत के लांचिंग अवसर पर जानीमानी हस्तियों के अलावा यूट्यूबर एवं बिग बॉस फ्रेम अरमान मलिक एवं निर्माता पंकज रावत (श्रीजा ग्लोबल) भी मौजूद रहेंगे। इस लॉन्च के साथ, अमन कंबोज का लक्ष्य सूफी संगीत की शक्तिशाली और काव्यात्मक शैली के माध्यम से व्यापक दर्शकों से जुड़ना है, साथ ही आध्यात्मिक सार में निहित रहना है जिसने हमेशा उनकी कला को परिभाषित किया है। ''तू झूम, ये तूने क्या किया....'' सूफी गीत के निर्माता पंकज रावत (श्रीजा ग्लोबल) व शिवा कौशल (एनकोर क्रिएटिव) के मालिक ने बताया कि 30 मई को उनकी नयी म्यूजिक कंपनी ''श्रीजा म्यूजिक'' का भी अनावरण किया जायेगा।

जागेश्वर धाम में आतंकवाद रोधी मॉक ड्रिल कर सुरक्षा बलों की परखी क्षमता

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। श्री देवेन्द्र पींचा, एसएसपी अल्मोड़ा के निर्देशन में जनपद अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम मंदिर में आतंकवाद मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपात स्थिति में सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता और समन्वय का परीक्षण करना था। मॉक ड्रिल में पुलिस, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग, एटीएस, क्यूआरटी, आपदा, सूचना व चिकित्सा विभाग, विद्युत विभाग, पेयजल निगम, जल संस्थान, जिलापूर्ति विभागों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

इस मॉक ड्रिल में जागेश्वर धाम ड्यूटी में तैनात कर्म0गणों द्वारा पुलिस कन्ट्रोल रुम अल्मोड़ा को सूचना दी गयी कि जागेश्वर धाम में 3 संदिग्धों द्वारा 2 लोगों को बन्धक बना लिया गया है और यह घटना आतंकवादी गतिविधि प्रतीत हो रही है।

जिस पर पुलिस कन्ट्रोल रुम द्वारा जनपद पुलिस, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग, एटीएस, क्यूआरटी, आपदा और सूचना विभाग को इस घटना की सूचना दी गयी जिस पर टीमों द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरु किया किया गया।

एटीएस टीम द्वारा ऑपरेशन को सफतापूर्वक अजांम देते हुए मंदिर में लोगों को बन्धक बनाने वाले तीनों आतंकवादियों को मार गिराया। बन्धक किये गये 2 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।

बम डिस्पोजल टीम द्वारा एरिया की चेकिंग कर सुनिश्चित किया गया कि किसी प्रकार की कोई संदिग्ध व विस्फोटक पदार्थ नहीं है।

मॉक ड्रिल के पश्चात् समीक्षा की गयी।

मॉक ड्रिल के दौरान सीओ अल्मोड़ा गोपाल दत्त जोशी, सीओ दूरसंचार राजीव टम्टा, तहसीलदार बरखा जलाल, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन अल्मोड़ा विजय विक्रम, निरीक्षक दूरसंचार उमाशंकर पाण्डे, प्रभारी यातायात अल्मोड़ा दरबान सिंह मेहता, कम्पनी कमाण्डर एसडीआरएफ, थानाध्यक्ष दन्या जसविन्दर सिंह, थानाध्यक्ष लमगड़ा राहुल राठी सहित विभिन्न विभागों के अन्य अधि0/कर्म0गण मौजूद रहे।

एक मॉडल, डांसर और अभिनेत्री हैं आकांक्षा शर्मा, जिन्होंने केसरी वीर से बॉलीवुड में रखा कदम

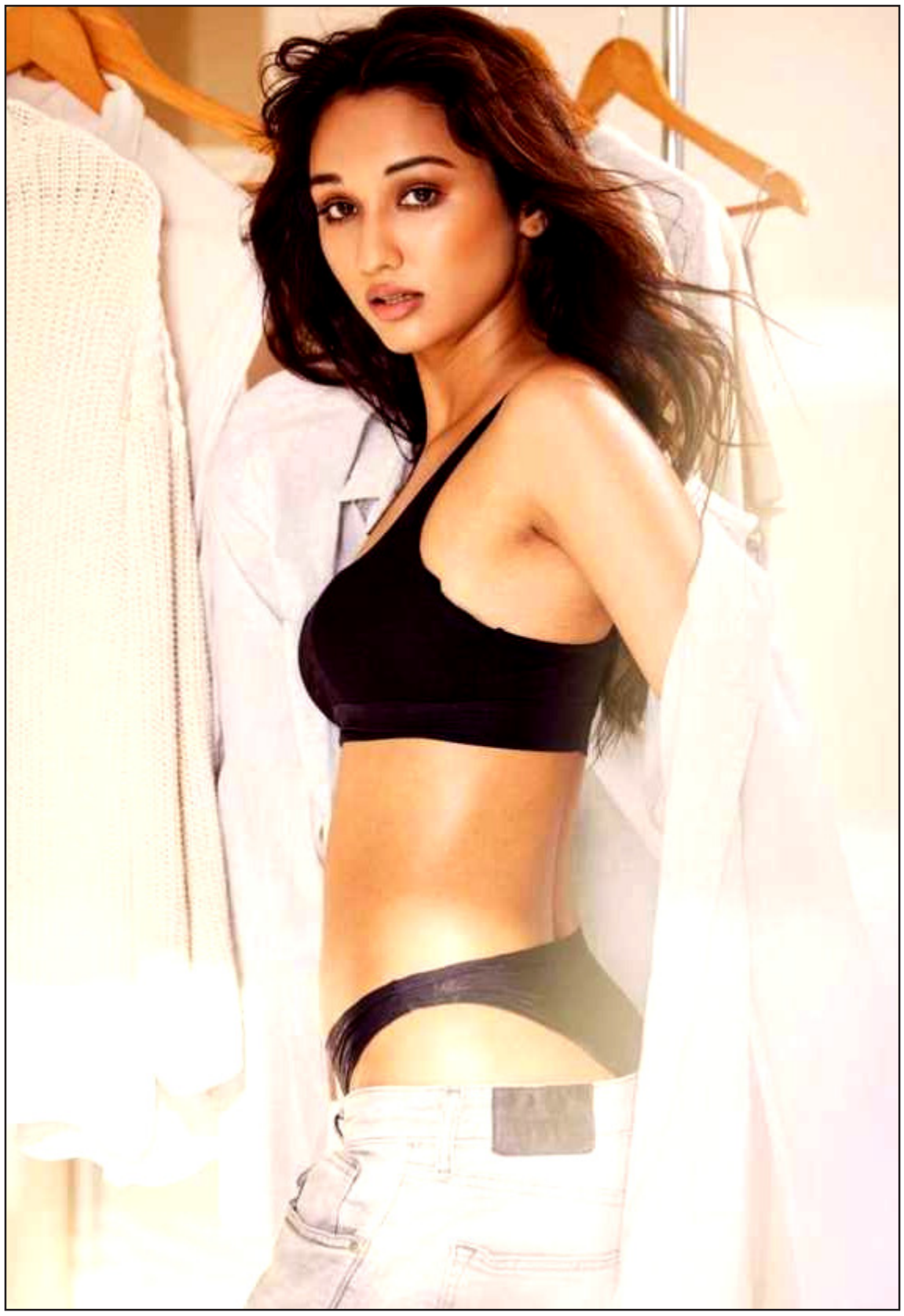

सुनील शेट्टी और विवेक ओबेरॉय की फिल्म केसरी वीर आखिरकार 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए सूरज पंचोली ने 4 साल बाद बॉलीवुड में वापसी की है।

अभिनेत्री आकांक्षा शर्मा भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। उन्होंने इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा है। फिल्म में उनकी अदाकारी की तारीफ हो रही है। ऐसे में हर ओर उनकी चर्चा है।

आइए जानें आखिर आकांक्षा हैं कौन।

आकांक्षा पेशे से एक मॉडल, डांसर और अभिनेत्री हैं। उन्होंने साल 2020 में आई कन्नड़ फिल्म त्रिविक्रम के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया।

अपने शुरुआती दिनों में ही आकांक्षा ने साउथ इंडस्ट्री के बड़े-बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा की है।

वह साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन के साथ विज्ञापन में भी काम कर चुकी हैं।

आकांक्षा को बॉलीवुड में पहचान रैपर बादशाह के सुपरहिट गाने जुगनू से मिली, जिसमें वह बेहतरीन डांस करती दिखीं।

इसके अलावा आकांक्षा, टाइगर श्रॉफ के साथ कैसेनोवा और आई एम ए डिस्को डांसर 2.0 जैसे म्यूजिक वीडियो में भी दिखाई दे चुकी हैं।

इन दोनों गानों में आकांक्षा और टाइगर की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था।

बता दें, आकांक्षा सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय रहती हैं। उन्हें इंस्टाग्राम पर 10 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।

जानलेवा हमले में फरार इनामी गिरफ्तार

रुड़की , इंडिया वार्ता ब्यूरो। पुरानी रंजिश में फर्नीचर कारोबारी व उसके दोस्त के साथ पंद्रह दिन पूर्व तीन लोगों ने मिलकर जानलेवा कर दिया था। फरार तीनों आरोपियों पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के साथ ही 25-25 हजार का इनाम घोषित किया था। पुलिस दो इनामी को पहले ही जेल भेज चुकी है। जबकि बुधवार को शेष एक इनामी आरोपी को गिरफ्तार करते हुए कोर्ट में पेश किया गया। गंगनहर कोतवाली के चावमंडी निवासी फर्नीचर कारोबारी अमरीक सिंह का बेटा पुनीत व उसका दोस्त अमित कुमार 12 मई को स्कूटी पर सवार होकर जा रहे थे। रास्ते में पुरानी रंजिश में दोनों के साथ तीन लोगों ने मिलकर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया था। घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। घायल के पिता अमरीक ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। पुलिस ने दो इनामी साहिल व आदित्य को सोमवार को जेल भेज दिए थे। तीसरा आरोपी फरार चल रहा था। जिसकी पुलिस तलाश कर रही थी। प्रभारी निरीक्षक आर के सकलानी ने बताया कि बुधवार को 25 हजार के इनामी जितेंद्र सैनी निवासी चाव मंडी को थाने के बाहर से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है। जिसे बाद में न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

मासिक धर्म स्वच्छता दिवस शर्म नहीं, समझ जरूरी है : डॉ. सुजाता संजय

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। हर साल 28 मई को मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष, विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस की थीम " एक साथ सपीरियडफ्रेंडली वर्ल्ड " है। यह दिन दुनिया भर में किशोरियों और महिलाओं के लिए मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 2014 में की गई थी, और तब से यह दिन एक वैश्विक अभियान का रूप ले चुका है।

डॉ सुजाता संजय ने वेबिनार के माध्यम से कई नर्सिंग छात्र छात्राओं को मासिक धर्म दिवस पर उन्हें जागरूक किया। डॉ. सुजाता संजय ने बताया कि मासिक धर्म को स्त्री के शरीर की शुचिता के बोझ व कलंक से आजाद कर उसे इस नजरिए से देखा जाए कि मासिक धर्म तो प्रत्येक लड़की की जिंदगी का हिस्सा है, यह हर महिला के शरीर में होने वाला एक स्वाभाविक विकास है। यह लड़की की जिंदगी का ऐसा संक्रमण काल है कि इससे वह किशोरावस्था में प्रवेश करती है और फिर बालिग। यह सभी लड़कियों के जीवन में बदलाव का अहम वक्त होता है। ऐसे वक्त में उन्हें परिवार, सहेली, समुदाय, अध्यापक, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के उचित परामर्श, जानकारी की सख्त जरूरत होती है, ताकि वे विभिन्न भ्रांतियों के जाल में आने से बचें और मासिक धर्म के दारौन स्कूल मिस नहीं करें। भारत एक ऐसा मुल्क है, जहां किशोर लड़कियों की तादाद बहुत अधिक है। अनुमान सुझाते हैं कि भारत में करीब 110 मिलियन किशोर लड़कियों में मासिक धर्म स्वच्छता और उसके निस्तारण के ज्ञान की कमी है। ये उनकी शिक्षा व स्वास्थ्य को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करते हैं। डॉ. सुजाता संजय ने बताया कि मासिक धर्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है, जिससे हर महिला को गुजरना पड़ता है। इसके बावजूद, आज भी भारत सहित कई देशों में इस विषय पर खुलकर बातचीत नहीं होती। शर्म, संकोच और अज्ञानता के कारण न केवल लड़कियों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है, बल्कि उनकी शारीरिक सेहत भी प्रभावित होती है। मासिक धर्म पर बात करना, समझ बढ़ाना और स्वच्छता अपनानाकृयही इस दिवस का उद्देश्य है। यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम अपने घर, स्कूल और समाज में इस विषय को सामान्य मानें, बेटियों को शिक्षित करें और उन्हें एक स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार दें। डॉ0 सुजाता संजय ने कहा, मासिक धर्म के प्रति जागरूकता जरूरी है क्योंकि यह माहवारी के दौरान चुप रहने की धारणा को तोड़ देगा और इस समय लड़कियों को सामान्य होने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इससे अन्य अंतर-जुड़े किशोरायों से जुडे मुद्दों जैसे बाल विवाह, पोषण और शिक्षा के बारे में भी जागरूकता पैदा होगी। डॉ. सुजाता संजय ने बताया कि मेरे क्लीनिक में अनेक किशोरियाँ और महिलाएं केवल इस कारण से स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रसित होती हैं क्योंकि वे मासिक धर्म के दौरान उचित स्वच्छता नहीं अपनातीं हैं, जैसे बार-बार सैनिटरी नैपकिन न बदलना, गंदे कपड़े का प्रयोग करना, या संक्रमण के लक्षणों को नजरअंदाज करना। यह सब भविष्य में प्रजनन क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है। सही जानकारी, स्वच्छ साधनों की उपलब्धता और आत्मविश्वास ही इस स्थिति को बदल सकते हैं। मैंने ऐसी लड़कियों को देखा है जो पहली बार मासिक धर्म के आने पर डर जाती हैं क्योंकि उन्हें पहले से कोई जानकारी नहीं होती। कई बार माताएं, शर्म के कारण, इस विषय पर बात नहीं करतीं, और यह चुप्पी आगे चलकर गंभीर मानसिक व शारीरिक समस्याओं का कारण बन सकती है। इसलिए मैं हर माता-पिता, शिक्षक और अभिभावक से अनुरोध करती हूँ कि वे अपनी बेटियों को इस विषय पर सही जानकारी दें, खुलकर संवाद करें और उन्हें आत्मविश्वास दें।

बड़कोट में शराब की दुकान के विरोध में फिर उतरे ग्रामीण

ऋषिकेश । रानीपोखरी के बड़कोट में शराब की दुकान की उप दुकान को लेकर फिर से विरोध शुरू हो गया है। कुछ दिन पूर्व ग्रामीणों के विरोध पर यहां शराब की दुकान को निरस्त कर दिया गया। लेकिन अब यहां फिर से न्यायालय के स्टे ऑडर पर दुकान खुलने से ग्रामीणों में आक्रोश है। बुधवार को बड़कोट में ग्रामीणों ने शराब की दुकान की उप दुकान के बाहर धरना प्रदर्शन किया। क्षेत्र पंचायत सदस्य विजय भट्ट ने कहा कि ग्रामीणों के विरोध के बाद इस शराब की दुकान को निरस्त किया गया था, मगर शराब माफियाओं ने उच्च न्यायालय को गुमराह करके शराब की दुकान के लिए आदेश लिए हैं। पूर्व प्रधान महेंद्र भट्ट ने कहा कि आबकारी विभाग हमारे गांव में शराब की दुकान खोलने पर तुला हुआ है, जबकि सरकार की ओर से उप दुकानों को कहीं भी खोलने से मना किया हुआ है और यह दुकान एयरपोर्ट मोड के लिए स्वीकृत हुई है न कि बड़कोट गांव के अंदर के लिए।

लाखों-करोड़ों खर्च कर मनचाही पोस्टिंग/ मलाईदार पद के चक्कर में बढ़ रही रिश्वतखोरी:मोर्चा

इंडिया वार्ता ब्यूरो

विकासनगर । जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि सरकार व दलालों की सरपरस्ती में प्रदेश के अधिकांश रिश्वतखोर पकड़े जा रहे हैं, उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि प्रदेश में मनचाही ट्रांसफर- पोस्टिंग/ मलाईदार पद हासिल करने की चाह रखने वाले अधिकारी /कर्मचारी लाखों- करोड़ों रुपए खर्च कर पद हासिल कर रहे हैं तथा उस रकम को वसूलने के चक्कर में जनता को लूटने जैसा अनैतिक कार्य कर रहे हैं । नेगी ने कहा कि जिस प्रकार से विजिलेंस द्वारा रिश्वतखोरों/ भ्रष्टाचारियों को अपने शिकंजे में लिया जा रहा है, निश्चित तौर पर सराहनीय कदम है,लेकिन रिश्वतखोरों का पकड़ा जाना सरकार के लिए डूब मरने वाली बात है द्य इसके साथ-साथ सरकार द्वारा कमाऊपूत अधि कारियों को टारगेट दिए गए हैं ,जो दिन-रात लूट खसोट में लगे हैं द्य ईमानदार कर्मचारी/ अधिकारी आदमखोर बन चुके हैं । प्रदेश में जिस प्रकार से रिश्वतखोरी में अधिकारी/ कर्मचारी अधिकारी सरकार द्वारा हासिये पर डाल दिए गए हैं । इससे प्रतीत होता है कि प्रदेश का कोई भी विभाग एवं उसके अधिकारी/ कर्मचारी बगैर रिश्वत/ सुविध ा शुल्क के कोई काम नहीं कर रहे हैं द्ययहां तक कि कोई पत्रावली बगैर सुविध ा शुल्क के एक इंच भी आगे नहीं बढ़ती । नेगी ने कहा कि जिस प्रकार से रिश्वतखोर पकड़े जा रहे हैं, उसको लेकर बेशर्म सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है, लेकिन हकीकत में किसी भी सरकार के लिए यह सबसे बड़ी असफलता होती है द्य अगर प्रदेश में सब कुछ ईमानदारी से चल रहा होता तो ये रिश्वतखोर क्यों पकड़े जाते ! नेगी ने कहा कि प्रदेश में हो रही रिश्वतखोरी/ भ्रष्टाचार के मामले में राजभवन की मौन सहमति प्रदेश को गर्त में धकेलना का काम कर रही है। मोर्चा द्वारा लगातार सरकार पर प्रहार करने के बावजूद राजभवन का इस मामले में संज्ञान न लेना/ मुकदर्शक बने रहना प्रदेश के लिए किसी अभिशाप से कम नहीं है । अगर राजभवन थोड़ा भी संवेदनशील होता तो प्रदेश में ये अनैतिक कार्य न होते द्य पत्रकार वार्ता में - विजयराम शर्मा व दिलबाग सिंह मौजूद थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

उत्तराखण्ड कैबिनेट ने दी योग..

नियमावली में भी संशोधन किया गया है। इस नियमावली में मिथाइल अल्कोहल को भी शामिल किया गया है। राजकीय विभाग अधीनस्थ लेखा संवर्ग राजपत्रित नियमावली 2019 में भी संशोधन करने के लिए भी मंत्रीमंडल ने अपनी मोहर लगा दी है।

राज्य बाढ़ सुरक्षा का वार्षिक प्रतिवेदन को सदन में रखने को आज हुई बैठक में मंत्रीमंडल ने मंजूरी दे दी है। उत्तराखंड निबंध लिपिकवर्गीय कर्मचारी सेवा नियमावली 2025 बनाए जाने को मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी है। उत्तराखंड निबंध लिपिक वर्गीय कर्मचारी सेवा नियमावली 1978 की जगह नई नियमावली बनाई जायेगी। उत्तराखंड सेवा क्षेत्र नीति 2024 में भी संशोधन किया गा है। उत्तराखंड चाय विकास बोर्ड के ढांचे के संशोधन किया गया है। कृषि कल्याण विभाग के तहत चाय विकास विभाग में 11 अतिरिक्त पदों को मंजूरी दी गई है

इसके अलावा धामी कैबिनेट ने अटल आयुष्मान योजना को लेकर भी बड़ा फैसला लिया है। राज्य की धामी सरकार ने स्वास्थ्य योजना के तहत अस्पतालों को होने वाले भुगतान में विभाग को आ रही दिक्कत को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग को 75 करोड़ रुपए बतौर लोन देने को मंजूरी दी है। इसके जरिये अस्पतालों को भुगतान किया जा सकेगा। इसके साथ ही देहरादून और हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज में तीमारदारों के लिए रहने खाने की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए सरकार जमीन उपलब्ध कराएगी। साथ ही सीएसआर फंड के जरिए निर्माण करवाया जाएगा। राज्य सरकार ने कर्मचारियों, पेंशनरों व उनके आश्रितों को बेहतर इलाज सुविधा देने के लिए गोल्डन कार्ड योजना को नए ढांचे में मंजूरी दी है। एक व्यापक नीति के लिए हितधारकों से बातचीत की जाएगी।

कैबिनेट में उत्तराखंड की पहली योग नीति, गोल्डन कार्ड के जरिए कैशलेस इलाज की नई व्यवस्था, और औद्योगिक विकास से जुड़े अहम फैसले शामिल हैं। इसके तहत प्रदेश में पांच नए योग हब स्थापित किए जाएंगे। योग नीति के अन्तगर्त पहाड़ी क्षेत्रों में 50 प्रतिशत और मैदानी क्षेत्रों में 25 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी। योग को बढ़ावा देने के लिए मान्यता प्राप्त संस्थानों के योग शिक्षकों को प्रति सत्र 250 रुपये की प्रतिपूर्ति दी जाएगी।

अब स्थानीय लोगों के माध्यम से कार्यों की सीमा 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ कर दी गई है। ई और डी श्रेणी के ठेकेदारों की सीमा भी बढ़ाई गई है। स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख रुपये तक के कार्य दिए जा सकेंगे। एमएसएमई यूनिट्स को भी प्राथमिकता दी जाएगी। लोवेस्ट टेंडर से 10 प्रतिशत अधिक तक का ऑफर होने पर भी उन्हें काम मिल सकेगा। टेंडर प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जाएगा, और आईएफएमएस पोर्टल पर शिकायत निवारण तंत्र भी शुरू होगा।

एआई और एमएल का ज्ञान युवाओं को सफलता की नई दिशा देगा : कुलपति

ऋषिकेश, इंडिया वार्ता ब्यूरो। श्रीदेव सुमन विवि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञों ने छात्रों को एआई बौर मशील लर्निंग संबंधित विभिन्न जानकारियां दी। बुधवार को श्रीदेव सुमन विवि में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. एनके जोशी ने किया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आधुनिक युग की आवश्यक तकनीकें हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, कृषि और उद्योग जैसे अनेक क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही हैं। उन्होंने छात्र छात्राओं को नवाचार एवं अनुसंधान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज का युग तकनीकी नवाचारों का युग है। एआई और एमएल अब केवल शोध या विज्ञान की अवधारणाएँ नहीं रहीं, बल्कि ये हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही हैं। स्मार्टफोन से लेकर स्मार्ट सिटी तक, हर जगह इन तकनीकों की उपयोगिता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। प्रो जोशी ने बताया कि वर्तमान में मशीन लर्निंग का प्रयोग कृषि में फसल पूर्वानुमान, स्वास्थ्य क्षेत्र में रोग पहचान, और शिक्षा में व्यक्तिगत शिक्षण के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला छात्र छात्राओं को नई सोच और दृष्टिकोण के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेगी। कार्यक्रम संयोजक डॉ. गौरव वार्ष्णेय ने कार्यशाला के उद्देश्य, संरचना एवं विशेषज्ञों के योगदान के बारे में जानकारी दी। कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए ज्ञानवर्धक होती हैं और इन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण का अवसर प्रदान करती हैं। मुख्य वित्त अधिकारी मनोज पाण्डेय ने विश्वविद्यालय की ओर से तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यशाला में उत्तरांचल यूनिवर्सिटी से आये सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ मोहित कुमार ने स्मार्ट जीवन के लिए मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे मशीन लर्निंग के माध्यम से जीवन को अधिक सहज, सुरक्षित और कुशल बनाया जा सकता है। एआई विशेषज्ञ एल्ड्रिन मेनन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने एआई की मूल अवधारणाओं, इसके ऐतिहासिक विकास और वर्तमान समय में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा

संपादकः संदीप शर्मा

सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास

संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी

अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की

अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की

ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M- 7500471414,7500581414

नोट& समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

नि:शुल्क हैल्थ चैकअप कैम्प का 80 जरूरतमंद मरीजों ने उठाया लाभ

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार देहरादून व मेदांता अस्पताल गुरुग्राम के द्वारा नि:शुल्क हैल्थ चौकअप कैम्प का आयोजन गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के तत्वाधान में किया गया जिसमें 80 मरीजों का परीक्षण कर डॉक्टरों ने उचित सलाह दी। प्रात: गुरु महाराज को मत्था टेक कैम्प का उद्घघाटन गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान स. गुरबक्श सिंह राजन व श्याम अग्रवाल राज्यमंत्री उत्तराखंड सरकार के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया जिसमें 80 मरीजों ने हैल्थ चौकअप करवा कर उचित परामर्श प्राप्त किया। स. गुलजार सिंह महासचिव ने आये हुए सभी डाक्टरो व सहयोगी स्टाफ़ का आभार प्रकट करते हुए अपने पुर्ण सहयोग का आश्वासन दिया व बताया की हमें पुर्व के अनुभव से सीख लेते हुए कोविड-19 के प्रति सजग रहते हुए सरकार द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना चाहिए। हैल्थ का चौक अप डॉक्टर विजय कुमार शर्मा (हृदय रोग विशेषज्ञ) व डॉक्टर शाहिद (सामान्य चिकित्सक) व सहायक स्टाफ़ जगत भास्कर त्रिपाठी मार्किटिगं ,श्री.आर.पी चमोली,श्री. उपेंद्र कुमार,कु.रजत (नर्स), कु.दीक्षा (नर्स), श्री सुनील, श्री अभिषेक, श्री रमन जी के द्वारा किया गया। गुरबखश सिंह राजन जी प्रधान के द्वारा कैंप में प्रदान की जा रही नि:शुल्क सुविधाओं का परीक्षण कर संतुष्टी प्रकट करते हुए संगतो को इस प्रकार के कैम्पों का लाभ उठाने का आहवान किया। मार्केटिंग डी.जी.एम जगत भास्कर त्रिपाठी ने बताया कि गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के संजोग से जनता की सेवा हेतु भविष्य में इसी प्रकार के हैल्थ कैम्प लगाऐ जाते रहेंगे। इस अवसर पर गुरद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के उपप्रधान स. चरणजीत सिंह, देवेंदर सिंह भसीन,भाई शमशेर सिंह जी हैंड ग्रंथी, स.अरविन्दर सिंह भाई मोहब्बत सिंह, स. विजय पाल सिंह, गुरदियाल सिंह, गजेंदर सिंह, जोगिंदर सिंह, राकेश सिंह एवं आदि उपस्थित थे।

प्रदेश में अगले दो हफ्तों में मानसून देगा दस्तक

उत्तराखण्ड में इस वर्ष जमकर बरसेंगे बादल

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड में अगले दो हफ्तों के भीतर मानसून दस्तक दे देगा। हालांकि, सामान्य तौर पर करीब 20 जून तक मानसून उत्तराखंड पहुंचता है, लेकिन इस बार देश में 8 दिन पहले दाखिल होने वाले मानसून का उत्तराखंड में भी पहले ही स्वागत किया जा सकेगा। खास बात यह है कि इस बार मानसून के ज्यादा समय तक रहने की संभावनाओं के बीच पिछले सालों के मुकाबले अधिक बारिश होने की उम्मीद लगाई गई है। ऐसे में खासतौर पर पर्वतीय जिलों के लिए मौसम विभाग कुछ सुझाव भी दे रहा है। उत्तराखंड के लिए मानसून सीजन बेहद चुनौती पूर्ण रहता है। इस दौरान न केवल पर्वतीय क्षेत्रों में लैंडस्लाइड की घटनाएं कई दुखदाई सूचनाएं लाती हैं बल्कि चारधाम यात्रा और पर्यटकों के लिहाज से भी यह समय काफी सचेत रहने वाला होता है। इस बार मानसून तय समय से पहले आ रहा है इसलिए जिला प्रशासन से लेकर सरकार के स्तर पर तैयारी को पहले ही पूरा करने की चुनौती है। खासतौर पर इसलिए भी क्योंकि इस बार ज्यादा बारिश होने की उम्मीद लगाई गई है।

मानसून ने केरल में 24 मई को दस्तक दी थी। सामान्य तौर पर देखें तो करीब 8 दिन पहले ही मानसून केरल पहुंच गया। उत्तराखंड मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक विक्रम सिंह के अनुसार अब मानसून दक्षिण भारत के अलावा मध्य भारत और पूर्वोत्तर के राज्यों तक भी पहुंच चुका है। उनका कहना है कि यदि इसी रफ्तार से मानसून आगे बढ़ा तो करीब 10 दिन में उत्तराखंड तक भी मानसून पहुंच जाएगा, जबकि इसमें कुछ धीमापन आया तो भी 15 दिनों के भीतर मानसून उत्तराखंड में दस्तक दे देगा।

मौसम विभाग की माने तो इस बाद जल्दी दस्तक देने की वजह से मानसून ज्यादा समय रहने वाला है। जाहिर है कि मानसून की समय अवधि ज्यादा रहेगी तो बारिश भी इस बार देश भर में ज्यादा देखने को मिल सकती है। उत्तराखंड में भी बारिश के अधिक रहने की उम्मीद है। मानसून सीजन के दौरान राज्य में पहले ही बारिश काफी ज्यादा होती है।

मौजूदा मई महीने में ही मानसून ने एक चिंता पैदा कर दी है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस बार मई महीने में बारिश सामान्य से कहीं ज्यादा हुई है। मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि इस बार उत्तराखंड में इस महीने अब तक 86 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है, जो कि अपने आप में बेहद ज्यादा है। उधर इस सीजन में हुई बारिश के रिकॉर्ड को देखें तो भी सामान्य से करीब 36 प्रतिशत तक बारिश ज्यादा हो चुकी है।

इस बार रुक रुक कर हो रही लगातार बारिश के कारण न केवल लोगों को गर्मी से राहत मिली है बल्कि गर्मियों के दौरान उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में पेयजल की समस्या से भी कुछ राहत मिलती दिखाई दे रही है। तमाम जल स्रोत भी रिचार्ज हो रहे हैं। इसके अलावा सबसे बड़ी राहत जंगलों में लगने वाली आग से मिली है। इसमें भी आंकड़े बताते हैं कि इस बार जंगलों में आग की घटनाएं बेहद कम हुई हैं। यह राज्य के लिए एक बड़ी राहत की खबर है।

मई और जून के महीने में अमूमन गर्मी से लोगों को जूझना पड़ता है, लेकिन, यह ऐसा समय होता है जब खेती बाड़ी करने वाले किसान इस सीजन की फसल को लेकर काम करते हैं। इस बार बारिश के रुक-रुक कर होने से किसानों के लिए कुछ दिक्कतें जरूर सामने आई हैं। मौसम का असर फसलों पर भी पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। मौसम वैज्ञानिक के कहते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग का मौसम पर असर पड़ रहा है। कम समय में ज्यादा बारिश होना, और कुछ स्थानों पर अधिक बारिश जबकि बाकी स्थान पर बारिश नहीं मिलना जैसी भिन्नताएं भी ग्लोबल वार्मिंग के कारण देखने को मिल रही हैं। हालांकि मौसम चक्र में बदलाव को लेकर मौसम विभाग के निदेशक विक्रम सिंह कहते हैं कि पूर्व में भी इसी तरह मानसून पहले आने की घटनाएं हो चुकी हैं, इसलिए यह कहना सही नहीं है की मौसम चक्र में बदलाव हो रहा है।

प्रधानमंत्री कर रहे ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतीकरण : सूर्यकांत धस्माना

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना द्वारा दिखाए गए अदम्य साहस के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए व ऑपरेशन में शहीद हुए सैनिकों व आम नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने व ऑपरेशन में घायल हुए नागरिकों के प्रति सद्भावना व्यक्त करने के लिए उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की आगामी एक जून को हल्द्वानी में आयोजित होने वाली जय हिंद रैली में हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व आम लोग शामिल होंगे जिसमें प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेता शामिल होंगे व अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता भी भागीदारी करेंगे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में उक्त जानकारी प्रेस से साझा करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन व प्रशासन सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि यह रैली कांग्रेस की राष्ट्र व्यापी रैलियों की श्रृंखला में आयोजित की जा रही है और कांग्रेस पार्टी इन रैलियों के माध्यम से जहां एक ओर देश के सैन्य बलों के प्रति अपनी व देश की।आम जनता की ओर से कृतज्ञता ज्ञापित करेगी वहीं दूसरी ओर देश के प्रधानमंत्री जो ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतीकरण करने में जुट हुए हैं उनसे सीधे यह सवाल भी करेगी कि प्रधानमंत्री जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद छह राज्यों में जा कर रैलियां संबोधित कर रहे हैं और इस संकट की घड़ी में जो सारा देश व सारा विपक्ष अपनी सेना व केंद्र सरकार के पीछे मजबूती से खड़ा था उस विपक्ष पर ओछी व अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं उसका मकसद क्या है। श्री धस्माना ने कहा कि कांग्रेस प्रधानमंत्री से पूछना चाहती है कि देश को बताया जाए कि पहले में जो सुरक्षा की बड़ी चूक हुई जिसके कारण 26 निर्दोष लोग मारे गए उस चूक के लिए केंद्र सरकार ने किसकी जवाब देही तय की ? कांग्रेस पीएम मोदी से पूछना चाहती है कि वे बताएं कि वे पहलगाम।और पुंछ कब जाएंगे ? कांग्रेस पूछना चाहती है कि पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए सैनिकों व आम नागरिकों से कब मिलने जाएंगे और पहलगाम में जान गंवाने वाले शहीदों के परिवारों से कब मिलने जाएंगे यह सारे सवाल आज देश के हर नागरिक के मन में है। श्री धस्माना ने कहा कि जब सारा देश और देश का सारा विपक्ष संकट की घड़ी में केंद्र सरकार व सेना के साथ खड़ा था तब प्रधानमंत्री आज सीजफायर होने के इतने समय बाद भी संसद का विशेष सत्र बुलाकर पूरे देश को सारी स्थितियों से अवगत क्यों नहीं करवाते और क्यों अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जो बार बार भारत को अपमानित करने वाला बयान की उन्होंने धमका कर और व्यापार का डर दिखा कर भारत पाकिस्तान का युद्धविराम करवाया इसका दो टूक जवाब स्वयं प्रधानमंत्री आगे आकर क्यों नहीं देते।

श्री धस्माना ने कहा कि हल्द्वानी रैली के बाद इन सब बातों व सवालों को लेकर कांग्रेस पूरे राज्य के हर ब्लॉक हर गांव तक ले कर जाएगी व जनता को ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत जानकारी देगी।

एडीजी ने केदारनाथ धाम व यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया

-सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन से लेकर पार्किंग तक के लिए दिए महत्वपूर्ण निर्देश

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था वी. मुरुगेशन ने केदारनाथ धाम की यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की गनह समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केदारनाथ धाम स्थित नवीन पुलिस चौकी भवन एवं वहाँ की आवासीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं से सीधे संवाद स्थापित कर उनके यात्रा अनुभवों की जानकारी ली।

दर्शन हेतु प्रारम्भ की गई टोकन काउंटर व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की लाइन प्रबंधन प्रणाली का भी उन्होंने निरीक्षण किया और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर दर्शन हेतु लाइन एवं क्राउड मैनेजमेंट को प्रभावी बनाए रखने हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए।

इसके पश्चात एडीजी ने फाटा से सोनप्रयाग तक यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर तैनात यातायात निरीक्षक से पार्किंग और यातायात व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की गई। सीतापुर व सोनप्रयाग स्थित पार्किंग स्थलों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने वाहनों की सुव्यवस्थित पार्किंग, एंट्री एवं एग्जिट की सहज प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। सोनप्रयाग, सीतापुर पार्किंग से शटल सेवा तक जाने वाली लाइन व्यवस्था, शटल संचालन की स्थिति तथा सोनप्रयाग से गौरीकुंड के मध्य चलने वाली शटल सेवा की निगरानी की गई। उन्होंने शटल सेवाओं को सुचारू एवं सतत रूप से संचालित रखने पर बल दिया। प्रात:कालीन समय में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए लाइन व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु विशेष निर्देश दिए गए। निरीक्षण भ्रमण के दौरान केदारनाथ धाम में पुलिस उपाधीक्षक अभिनय चौधरी, चौकी प्रभारी राजीव चौहान तथा सोनप्रयाग में पुलिस उपाधीक्षक हर्षवर्द्धनी सुमन, विकास पुण्डीर, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सोनप्रयाग राकेन्द्र कठैत एवं यातायात निरीक्षक कैलाश चन्द्र शर्मा सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक

दैनिक इंडिया वार्ता

कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।

दूरभाष: 7500581414,9359555222